MP Board Class 10th Sanskrit Solutions Durva Chapter 8 सद्वृत्तम्

प्रश्न 1.
एकपदेन उत्तरं लिखत-(एक पद में उत्तर लिखिए)।
(क) आत्महिताय किम् अनुष्ठेयम्? (अपने हित के लिए क्या करना चाहिए?)
उत्तर:
सद्वृत्तम। (सज्जनों का आचरण)

(ख) किं न रोचयेत्? (किसमें रुचि नहीं होनी चाहिए?)
उत्तर:
वैरं। (वैरभाव)

(ग) कुत्र न आरोहेत? (कहाँ नहीं चढ़ना चाहिए?)
उत्तर:
द्रुमम्। (पेड़ पर)

(घ) कान् न विघट्टयेत्? (किसको नहीं किटकिटाना चाहिए?)
उत्तर:
दन्तान्। (दाँतों को)

(ङ) कदा दधि न भुञ्जीत? (दही कब नहीं खानी चाहिए?)
उत्तर:
नक्तम्। (रात में)

प्रश्न 2.
एकवाक्येन उत्तरं लिखत-(एक वाक्य में उत्तर लिखिए-)
(क) कान् न वादयेत्? (किसको नहीं बजाना चाहिए?)
उत्तर:
नखान् न वादयेत्। (नाखून नहीं बजाने चाहिए।)

(ख) कैः न विरुध्येत्? (किसके द्वारा (साथ) विरोध नहीं होना चाहिए।)
उत्तर:
उत्तमैः न विरूध्येत्। (महापुरुषों द्वारा (के साथ) विरोध नहीं किया जाना चाहिए।)

(ग) कं न भिन्द्यात्? (किसे नहीं तोड़ना चाहिए?)
उत्तर:
नियमं न भिन्द्यात्। (नियम नहीं तोड़ना चाहिए।)

(घ) कं न अतिपातयेत्? (क्या व्यर्थ नहीं करना चाहिए?)
उत्तर:
कार्यकालं न अतिपातयेत्। (काम का समय व्यर्थ नहीं करना चाहिए।)

(ङ) के न अनुवसेत्? (किसको नहीं रहना चाहिए?)
उत्तर:
शोकं न अनुवसेत्। (शोक नहीं रहना चाहिए।)

प्रश्न 3.
अधोलिखितप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत-(नीचे लिखे प्रश्नों के
उत्तर लिखिए.-)
(क) सद्वृत्तेन मानवः किं सम्पादयति? (सवृति से मनुष्य क्या प्राप्त करता है?)
उत्तर:
सद्वृत्तेन मानवः आरोग्यम् इन्द्रियविजयं च संपादयति। (सद्वृत्ति से मनुष्य आरोग्य-लाभ और इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करता है।)

(ख) कथं न अध्ययनम् अभ्यस्येत्? (अध्ययन कैसे नहीं करना चाहिए?)
उत्तर:
नातिमात्रं न तान्तं न विस्वरं नानवस्थितपदं नातिद्रुतं न विलम्बितं। नातिक्लीचं नात्युच्चैः नातिनीचैः स्वरैः अध्ययनमभ्यस्येत।

(न अधिक मात्रा से युक्त, न रुक्ष स्वर, न स्वर रहित, न पाठ का अनियमित पाठ, न ज्यादा तेज, न ज्यादा धीरे, न ज्यादा ऊँचा और न ज्यादा नीचे स्वर में अध्ययन करना चाहिए।)

(ग) अन्नं कथं न आददीत? (अन्न कैसे नहीं लेना खाना चाहिए?)
उत्तर:
न अस्नातः नोपहतवासा न अजपित्वा न आहुत्वा देवताभ्यः नाभिरूप्य पितृभ्यः नादत्वा गुरुभ्य: नातिथिभ्यः न उपाश्रितेभ्य न अप्रक्षालितपाणि पादवदनः नाशुद्धमुखः नोदङ्मुखः न विमना न पात्रीष्वमेध्यासुन कुत्सयन् न कुत्सितं न प्रतिकूलोपहितम् अन्नम् आददीत।

(स्नान न किए हुए को, बिना शुद्ध वस्त्र धारण किए हुए को, बिना जपे हुए व बिना बुलाए हुए देवताओं से, बिना भोजन कराये पितरों से, बिना दिए गुरु से, न अतिथि से, न आश्रित से, न बिना हाथ-पैर-मुँह धोये हुए से, बिना मुँह शुद्ध किए हुए से, बिना उत्तर दिशा में मुख किए हुए से, अपवित्र मन वाले से, बिना पात्र पवित्र किए हए में, न निन्दा करते हुए से, न निन्दित से और प्रतिकूल पुरुष के द्वारा दिया गया अन्न नहीं लेना चाहिए (खाना)।)

प्रश्न 4.
प्रदत्तशब्दैः रिक्तस्थानानि पूरयत? (नीचे दिए शब्दों से रिक्त स्थान भरिए-)
(नादेशे, नातिसमयं, पापेऽपि, विवृणुयात्, गवां)
(क) न ..... पापी स्यात्।
(ख) न नक्तं ..... चरेत्।
(ग) ..... जह्यात्।
(घ) न ..... दण्डमुद्यच्छेत्।
(ङ) न गुह्यं .....।
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

(क) पापेऽपि
(ख) नादेशे
(ग) नातिसमयं
(घ) गवां
(ङ) विवृणुयात्

प्रश्न 5.
यथायोग्यं योजयत-(उचित क्रम से जोड़िए-)

'अ'	'आ'
(क) न उदङ्मुखः	1. न कुर्यात्
(ख) नानृतम्	2. न स्यात्
(ग) खलैः सह सख्याम्	3. दैन्यम्
(घ) दीर्घसूत्री	4. अन्नं न आददीत
(ङ) नासिद्धौ	5. ब्रूयात्

उत्तर:
(क) 4
(ख) 5
(ग) 1
(घ) 2
(ङ) 3

प्रश्न 6.
शुद्धवाक्यानां समक्षम् 'आम्' अशुद्धवाक्यानां समक्षम् 'न' इति लिखत-(शुद्ध वाक्यों के सामने 'आम्' तथा अशुद्ध वाक्यों के सामने 'न' लिखिए-)
(क) देवगोगुरुवृद्धसिद्धाचार्यानर्चयेत्।
(ख) एकः शून्यगृहम् अनुप्रविशत्।
(ग) अस्नातः अन्नम् आददीत।
(घ) सर्वकालविचारो न भवेत् !
(ङ) चञ्चलं मनः न अनुभ्रामयेत्
उत्तर:
(क) आम्
(ख) न
(ग) न
(घ) न
(ङ) आम्

प्रश्न 7.
निम्नलिखितशब्दानां मूलशब्दं विभक्तिं वचनं च लिखत
(नीचे लिखे शब्दों के मूलशब्द विभक्ति और वचन लिखिए-)

शब्दः	मूलशब्दः	विभक्तिः	वचनम्
यथा– नृपान्	नृप	द्वितीया	बहुवचनम्
(क) गुरून्			
(ख) गवाम्			
(ग) सर्वेण			
(घ) उत्तमैः			
(ङ) असिद्धौ			

उत्तर:

	शब्दः	मूलशब्दः	विभक्तिः	वचनम्
(क)	गुरून्	गुरु	द्वितीया	बहुवचनम्
(ख)	गवाम्	गो	षष्ठी	बहुवचनम्
(ग)	सर्वेण	सर्व	तृतीया	एकवचनम्
(घ)	उत्तमैः	उत्तम	तृतीया	बहुवचनम्
(ङ)	असिद्धौ	असिद्ध	प्रथमा/द्वितीया	द्विवचनम्

प्रश्न 8.
क्रियापदानां धातुं लकारं च पृथक् कुरुत (क्रियापदों के धातु और लकार अलग कीजिए)

यथा– हसेत्	हस्	विधिलिङ्लकारः
(क) चरेत्		
(ख) गच्छेत्		
(ग) रोचयेत्		
(घ) वादयेत्		
(ङ) अर्चयेत्		

उत्तर:

	क्रियापदम्	धातुः	लकारः
(क)	चरेत्	चर्	विधिलिङ्लकारः
(ख)	गच्छेत्	गम्	विधिलिङ्लकारः
(ग)	रोचयेत्	रुच	विधिलिङ्लकारः
(घ)	वादयेत्	वाद्	विधिलिङ्लकारः
(ङ)	अर्चयेत्	अर्च्	विधिलिङ्लकारः

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 9.
अधोलिखितपदानां सन्धिविच्छेदं कृत्वा सन्धिनाम लिखत
(नीचे लिखे पदों के सन्धि-विच्छेद करके सन्धि का नाम लिखिए)

पदम्	सन्धिविच्छेदः	सन्धिनाम्
यथा –नाधीरः	न+अधीरः	दीर्घस्वरसन्धि
(क) नोपहतवासा		
(ख) नोदङ्मुखः		
(ग) चाति		
(घ) नौच्चैः		
(ङ) सिद्धावुत्सेकम्		

उत्तर:

पदम्	सन्धिविच्छेदः	संधिनामः
(क) नोपहतवासा	न + उपहतवासा	गुण स्वरसंधि
(ख) नोदङ्मुखः	न + उदङ्मुखः	गुण स्वरसंधि
(ग) चाति	च + अति	दीर्घ स्वरसन्धि
(घ) नौच्चैः	न + उच्चैः	गुण स्वरसंधि
(ङ) सिद्धावुत्सेकम्	सिद्धौ + उत्सेकम्	अयादिस्वर सन्धि

प्रश्न 10.
विपरीतार्थिशब्दान् लिखत-(विपरीत शब्द लिखिए-)
यथा – गुरुः – शिष्यः
(क) पिता
(ख) प्रतिकूलम
(ग) पापम्
(घ) दोषः
(ङ) सिद्धिः
उत्तर:
(क) माता
(ग) पुण्यम्
(ङ) असिद्धिः
(ख) अनुकूलम्
(घ) गुणः योग्यताविस्तारः